

प्रेषक,

के. सी. मिश्र,
अपर सचिव, वित्त,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
उत्तरांचल।

वित्त अनुभाग-1

देहरादून, दिनांक: 29 मई, 2004

विषय: माह मई, 2004 के वेतन आहरण के सम्बन्ध में।

-----0-----

महोदय,

कृपया शासनादेश संख्या-313/वि०नु०-1/2004, दिनांक 23 अप्रैल, 2004 का सन्दर्भ ग्रहण करें, जिसके द्वारा माह अप्रैल, 2004 का वेतन बजट आवंटन की प्रत्याशा में आहरित करने के निर्देश निर्गत किये गये थे। शासन के संज्ञान में यह तथ्य आया है कि अधिकतर आहरण वितरण अधिकारियों को बचनबद्ध मदों का बजट उपलब्ध नहीं कराया गया है।

इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि मई, 2004 का वेतन जो माह मई, 2004 के अन्त में देय है का आहरण कोषागारों द्वारा लेखानुदान में दर्शाये गये सुसंगत लेखा शीर्षक के अन्तर्गत बजट आवंटन की प्रत्याशा में आवंटित कर दिया जाय। सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारी तत्काल सम्बन्धित विभागाध्यक्ष/बजट अधिकारी से लेखा अनुदान की अवधि 1 अप्रैल 2004 से 31 जुलाई, 2004 तक का बजट प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे, जिससे अन्य बचनबद्ध मदों में समय से भुगतान सुनिश्चित किया जा सके।

बजट आवंटन की प्रत्याशा में वेतन आहरित करने के आदेश अन्तिम बार निर्गत किए जा रहे हैं। अतः प्रशासकीय विभागों का यह उत्तरदायित्व होगा कि बचनबद्ध मदों का बजट समय से विभागाध्यक्षों के निर्वहन पर रखा जाना सुनिश्चित कराये।

भवदीय,

के. सी. मिश्र
अपर सचिव।

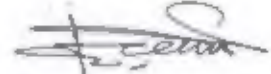
संख्या 334/1/वि०नु०-1/2004, तद्विनांक:

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तरांचल शासन।
2. समस्त विभागाध्यक्ष/बजट नियंत्रक अधिकारी, उत्तरांचल।

3. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तरांचल ।
4. निदेशक, स्न.आई.सी. उत्तरांचल ।
5. निजी सचिव, माओमुख्यमंत्री जी ।

आज्ञा से,



॥ के. सी. मिश्र ॥

अपर सचिव ।